

प्रेषक,

ए० के घोष,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, पर्यटन,
पर्यटन निदेशालय,
देहरादून।

देहरादून दिनांक 15 जून, 2004

पर्यटन अनुभाग

विषय:-शान्त अनुष्ठान महासू मेले, हनोल एवं रव० वीर चन्द्र सिंह गढवाली स्मृति मेला कोद्याबगड़,

दूधातोली, धलीसैड़ हेतु विशेष अनुदान की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-268/40310/2004-51 (पर्य०)/2003 दिनांक 26-04-2004 एवं सचिव महासू देवता देवलाड़ी मंदिर समिति के पत्र दिनांक-शून्य एवं अध्यक्ष दूधातोली विकास समिति के पत्र दिनांक 25-05-2004 की छायाप्रतियाँ संलग्न कर प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय शान्त अनुष्ठान महासू मेले एवं रव० वीर चन्द्र सिंह गढवाली स्मृति मेला कोद्याबगड़, दूधातोली, धलीसैड़ हेतु विशेष अनुदान रु० 50-50 हजार अर्थात् कुल रु० 1.00 लाख (रुपये एक लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि शासनादेश दिनांक 26 अप्रैल 2004 द्वारा स्वीकृत सहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता हेतु स्वीकृत आयोजनागत पक्ष के मदों से व्यय किया जायेगा एवं उक्त शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अधीन व्यय किया जायेगा।

3- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका को नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों को कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- यदि स्वीकृत धनराशि से कोई निर्माण कार्य कराया जाता है तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 6- यह अनुदान इस वर्ष विशेष अनुदान के रूप में स्वीकृति दिया जा रहा है अतः इसे भविष्य के लिए दृष्टान्त नहीं माना जायगा एवं न ही भविष्य में इस आधार पर अनुदान की मांग की जायेगी।

भवदीय

(ए० के० घोष)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- -(1)VI/2004-49 पर्य०/2003, तदुद्दिनांकित।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
 - 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 - 3- जिलाधिकारी, देहरादून/पौड़ी।
 - 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
 - 5- निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी।
 - 6- एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय।
 - 7- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव वित्त।
 - 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

14/6/4
(ए० के० घोष)
अपर सचिव